38. रचनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति द्वारा छात्रों की आंतरिक रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रकाश में लाने का अवसर दिया जाता है। प्रत्येक छात्र के अंदर कुछ अलग या कुछ नया करने की ललक होती है। रचनात्मक अभिव्यक्ति एक कला है जिसके द्वारा छात्रों की इसी कला को उभारने का प्रयास किया जाता है। इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार की विधाएँ शामिल की जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से पूछें, उन्हें किस प्रकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति पसंद है।
- ❖ बताएँ, रचनात्मक कला की अभिव्यक्ति मौखिक तथा लिखित दोनों प्रकार से की जाती है।
- ❖ मौखिक अभिव्यक्ति वाचन कौशल पर आधारित होती है।
- ❖ छात्रों को वाचन, भाषण देना, आशुभाषण, कविता वाचन, कथा, कहानी अथवा घटना सुनाना, साक्षात्कार एवं वाद-विवाद आदि मौखिक अभिव्यक्तियों का बारंबार अभ्यास करवाएँ।
- ❖ समझाएँ, मौखिक अभिव्यक्ति के लिए शुद्ध उच्चारण तथा भावों के उतार-चढ़ाव का उचित आरोह-अवरोह आवश्यक है, जिसमें निरंतर अभ्यास से कुशलता प्राप्त की जा सकती है।
- ❖ लिखित अभिव्यक्ति के अंतर्गत छात्रों को सार-लेखन और घटना-लेखन जैसे विषयों के बारे में समझाएँ तथा इनका अभ्यास करवाएँ।
- ❖ बताएँ, लिखित अभिव्यक्ति में शुद्ध लेखन के साथ-साथ संक्षिप्त एवं सटीक लेखन आवश्यक होता है।

मंच-संचालन

आजकल मंच संचालन करना काफी लोकप्रिय पेशा बन गया है। किसी सभा, समारोह या किसी कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने वाला संचालनकर्ता कहलाता है। वह कार्यक्रम के दौरान दर्शकों एवं अतिथिगणों को कार्यक्रम से जुड़ी सभी जानकारियाँ देता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को मंच संचालन के विषय में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ उन्हें मंच संचालन की परिभाषा से अवगत करवाएँ।
- ❖ मंच संचालन से जुड़ी मुख्य बातों के बारे में बताएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 287-290 पर दिए उदाहरणों को पढ़वाएँ।
- ❖ विद्यालयों में होने वाले कार्यक्रमों में छात्रों से मंच संचालन करवाएँ। इससे उनमें बोलने की क्षमता का विकास होता है और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।
- ❖ यह सुनिश्चित करें कि छात्र विषय भली-भाँति समझ गए हैं।
- ❖ दिया गया अभ्यास करवाएँ तथा यथासंभव सहायता करें।

सुर्खियाँ-लेखन

समाचारपत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो या टेलीविजन पर हम अनेक प्रकार की आकर्षक सुर्खियाँ पढ़ते, सुनते या देखते हैं। यह पत्रकारिता की एक ऐसी विधा है जिसके द्वारा हमें दिन-प्रतिदिन की महत्त्वपूर्ण खबरों की संक्षिप्त जानकारी मिलती है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को सुर्खियाँ-लेखन विषय के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ उन्हें सुर्खियाँ-लेखन की परिभाषा बताएँ।
- ❖ सुर्खियाँ-लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातों से परिचित करवाएँ।
- ❖ सुर्खियाँ लिखने के उद्देश्यों से अवगत करवाएँ
- ❖ पाठ पृष्ठ 291-292 पर दिए गए उदाहरणों को पढ़वाएँ।

- ❖ श्यामपट्ट पर अन्य उदाहरण लिखकर दिखाएँ।
- ❖ छात्रों को अपनी कॉपियों में आकर्षक सुर्खियाँ लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ दिया गया अभ्यास करवाएँ तथा आवश्यकतानुसार सहायता करें।